

: ंबायुक्त (अपील्स) का कार्यालय , वस्तु एर्वे सेवा करबीरकेन्द्रीय उत्पाद शुल्कः: O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST &CENTRAL EXCISE

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan रेस कोर्स रिंग रोड / Race Course Ring Road

<u>राजकोट / Raikot - 360 001</u>

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142Email: commrappl3-cexamd@nic.in



DIN20230264SX000000BB72

अपील / फाइलसंख्या/ Appeal /File No. GAPPL/COM/STP/1744/2022

मूल कादेश सं / O.I.O. No. 115/SERVICE TAX/DEMAND/2022-23 विनांक/Date 16-04-2022

अपील आदेश संख्या(Order-In-Appeal No.):

BHV-EXCUS-000-APP-037-2023

आदेश का दिनाक / Date of Order: 13.02.2023

जारी करने की तारीख / Date of issue:16.02,2023

त्री शिव प्रताप सिंह, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /

Passed by Shri Shiv Pratap Singh, Commissioner (Appeals), Rajkot.

ं अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुन्क/ सेवाकर/वस्तु एवंसेवाकर, राजकोट / जामनगर / गांधीधाम। द्वारा उपरक्षिक्ति जारी मूल आदेश से सृजित: /

Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise/ST / GST, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

अपीलकर्ता के प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellant & Respondent :-

M/s. Rajubhai Manjibhai Bareiya, Near Gaushala Ghogha Road,Bhavnagar-364001

इस बादेश(अपील) से व्यक्ति कोई व्यक्ति निम्नलिखित सरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समझ अपील दावर कर सकता है।/ Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

सीमा शुल्क , केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकूर अपोलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम , 1944 की घारा 35B के अंतरीत एवं वित्त अधिनियम , 1994 की घारा 86 के अंतरीत निमलिखित जगह की जा सकती है ।/

Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मृत्यांकन से सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुरुक, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक एवं सेवाकर अपीसीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर॰ के॰ पुरेम, नई विस्ली, को की जानी चाहिए।/

The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपीलों के अलावा नेच सभी अपीलें सीमा मुल्क,केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम केंद्रीय पीठिका, ,द्वितीय तल, बहुमाली भवन असावा अहमदाबाद- ३८००१६को की जानी चाहिए।/

To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय त्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुक्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्मारित किए गये प्रपन्न EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुक्क की मीग, ज्याज की मीग और लगाया गया जुमाना, उपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए तम अब क्या 50 लाख रुपए तक ब्यवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्या का माग और लगाया गया जुमाना, उपए 5 लाख था उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक ब्यवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्या जा माग अधित के अधित से तम की से सिर्मार के सिर्मार के सिर्मार के सिर्मार की प्रति से लिए की निर्मारित की मी मी सार्विजनक क्षेत्र के के द्वारा जारी रेखांकित वेच बाया जाना चाहिए। संबंधित द्वारम का स्माय की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थान आवेश (स्टे ऑबर) के लिए आवेदन-पन के साथ 500/- रुपए का निर्मारित शुक्क जमा करना होगा।/

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/- Rs.10,000/- where amount of dutydemand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst, Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की घाटा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निधीरित प्रपत्न S.T.-5 में बार प्रतियों में की जा सकेगी एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की माँग , क्याज की माँग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 साख या उससे कम, 5 लाख उपए या 50 लाख उपए तक अववा 50 लाख रुपए से अधिक है तो कमश: 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये को निर्हारित जुमा शुक्क की प्रति संस्था की साखा के सहायक रिजस्टार के नाम से किसी भी साविजनक क्षेत्र के बेंद द्वारा जारी रेखांकित के बार साखा में होना चाहिए। संबंधित इपएट का भुगतान, वैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थान आदेश (स्टे ऑडरेर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्हारित शुक्क जमा करना होगा।/

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form 9.7.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax a interest demanded a penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax a interest demanded a penalty levied is more than firty lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax a interest than 1000/- where the amount of service tax a interest demanded a penalty levied is more than firty lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in layour of the section of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is allusted. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.

B)

केन्द्रीय उट्टी

(i)

áñ

मारत सरकार कोपनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की पुरिश्चिणयाचिका निम्निवित सामलों में, केद्रीय उत्पाद शुक्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रयमपरंतुक के अंतर्गतअवर सचिव,
भारत शरकार, पुनरीक्षण आवेदन ईकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्य विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया.
जाना चाहिए।

A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit,
Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to subsection [1] of Section-35B ibid: (C)

यदि माल के किसी नुक्सान के मामले में, जहां नुक्सान किसी माल को किसी कारबाने से भंडार गृह के पार्यमन के दौरान या किसी अन्य कारबाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह पारंगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारबाने या किसी भंडार गृह में माल के नुक्सान के मामले में।/ In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse (i)

भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कड्के माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छुट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की स्वी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India. (ii)

वंदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल वा मुटान को माल निर्वात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty. (iii)

सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुन्क के भूगतान के लिए जो इस्ट्री केहीट इस अधिनियम एवं इसके दिशिश प्रावधानों के तहत मान्य की नई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (न॰ 2),1998 की घारा 109 के द्वारा नियत की वई तारीज अवना समाजाविद्धे पर वा बाद में पारित किए गए हैं।/
Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998. (iv)

उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रथम संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुक्क (अपीस) निवमावनी,2001, के निवम 9 के अंतर्गत किनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संप्रथम के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मून आदेश व अपीस आदेश की प्रतिया संलग्न की जानी चाहिए। साथ हो केन्द्रीय उत्पाद शुक्क अितनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निधारित शुक्क की अदायगी के साक्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-(v)

पुनरीक्षण आवेदन के साथ निभ्नितिखेत निर्झारित शुन्क की अदायगी की जानी चाहिए। जहाँ संलग्न रकम एक लाख रूपये या उससे कम हो तो रूपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक साख रूपये से ज्यादा हो तो रूपये 1000 -/ का मुगतान किया जाए। The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac. (vi)

यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का सुगतान, उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिये। इस तच्य के होते हुए भी की लिखा पढ़ी कार्य से बचन के लिए वयास्थिति अपीलीय नयाधिकरण को एक अपील वा कहीन सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various umbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each. (D)

यवासंशोधित न्यायालय शुन्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-। के अनुसार मूल आदेश एवं स्थागन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुन्क टिकिट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended. (E)

तीमा शुरूक, केन्द्रीय उत्पाद शुरूक एवं सेवाकर अपीमीय न्यायाक्षिकरण (कार्य विश्वि) निवमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबन्धित मामलों को सम्मिलित करने वासे निवमों की और भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982. (F)

उच्च बपीलीय प्राप्तिकारी को अपील दाखिल करने से संबंधित व्यापक, बिस्तृत और नबीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय नेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in. (G)



:: अपील आदेश / ORDER-IN-APPEAL ::

M/s. Rajubhai Manjibhai Baraiya, Bhavnagar (hereinafter referred to as "Appellant") has filed the present Appeal against Order-in-Original No. 115/SERVICE TAX/DEMAND/2022-23 dated 16.04.2022 (hereinafter referred to as 'impugned order') passed by the Assistant Commissioner, Central GST, Division, Bhavnagar-1 (hereinafter referred to as 'adjudicating authority').

- 2. The facts of the case, in brief, are that the Income Tax Department shared the third party information/ data based on Income Tax Returns/ 26AS for the Financial year 2015-16/ 2016-17 of the Appellant. Letters dated 23.07.2020 & 11.09.2020 were issued by the Jurisdictional Range Superintendent requesting the Appellant to provide information/documents viz. copies of I.T. Returns, Form 26AS, Balance Sheet (including P&L Account), VAT/ Sales Tax Returns, Annual Bank Statement, Contracts/ Agreements entered with the persons to whom services provided etc. for the Financial year 2014-15 to 2017-18 (upto June-2017). However, no reply was received from the Appellant.
- 3. In absence of data/information, a show cause notice bearing dated 15.12.2020 was issued to the Appellant, demanding Service Tax and cess to the tune of Rs. 4,11,823/- under Section 73(1) of the Finance Act, 1994 (hereinafter referred to as 'the Act') alongwith interest under Section 75 of the Act. It was also proposed to impose penalties under Section 77(1)(a), 78, 77(2) and 77(1)(c) of the Act upon the Appellant.
- 4. The adjudicating authority vide the impugned order confirmed Service Tax demand of Rs. 4,11,823/- under Section 73(1) along with interest under Section 75 of the Act, imposed penalty of Rs. 4,11,823/- under Section 78 of the Act, imposed penalty of Rs. 5,000/- each under Section 77(1)(a), 77(2) and 77(1)(c) of the Act.
- 5. Being aggrieved, the Appellant has preferred the present appeal on various grounds that they are engaged in labour construction work with sales of materials. Their contract income is below exemption limit of Rs. 10 Lakhs. The Show Cause Notice is time barred. There is no suppression of fact fraud etc. with intend to evade payment of Service Tax. The Adjudicating Authority erred in levying penalties.
- 6. The matter was posted for hearing on 09.01.2023. Advocate Minaj R. Nayani appeared for personal hearing and reiterated the submissions in the appeal. He drew attention to the balance sheet and profit & loss account for 2016-17 wherein it is clearly shown that out of total income of Rs. 14,52,940/-,

income of Rs. 9,62,515/- was from sale of materials and only Rs. 4,90,425/- was account of works contract. Similar is the case for financial year 2015-16. The

A.A

taxable turnover below the threshold limit was exempt and the appellant was not liable to any Service Tax. He requested to allow one week time for submission of additional documents and requested to set aside the Order-In-Original.

- 6.1 The Appellant vide their letter dated 25.01.2023 received on 27.01.2023 has submitted copy of trading account, profit & loss account and balance sheet for the year 2014-15, 2015-16 & 2016-17.
- 7. I have carefully gone through the case records, impugned order and appeal memorandum filed by the Appellant. I find that Show Cause Notice had been issued without verifying any data or nature of services provided by the Appellant as the same had been issued only on the basis of data received from the Income Tax department and the Adjudicating Authority has confirmed the demand of Service Tax vide impugned order. It has been held by the Adjudicating Authority that the services provided by the Appellant is a taxable service in absence of information/ documents, which were neither submitted by the Appellant nor they had filed any defense submission and not appeared for personal hearing also. The Appellant on the other hand in the grounds of appeal as well as during the course of personal hearing, stated that their value of service is below threshold limit of Rs. 10 lakh and thus, they are not liable to pay Service Tax.
- 8. The Appellant has produced documents viz. trading account, profit & loss account and balance sheet for the year 2014-15, 2015-16 & 2016-17 in support of their claim that their taxable services are below threshold limit after deducting the value of material sales. In trading account for the year 2015-16 & 2016-17, there is mention of material sales of Rs. 9,34,568/- and Rs. 9,62,515/- out of total income of Rs. 13,37,120/- and Rs. 14,52,940/- respectively. Thus, it is clear that the value of works contract income is less than threshold limit of Rs. 10 Lakh in both the year. The Appellant also produced copy of trading account for the year 2014-15 during which the taxable value was Rs. 4,42,252/- only. Therefore, I am of considered view that the Appellant is not liable to pay Service Tax as confirmed under impugned order.
- 9. In view of discussions and finding, I set aside the impugned order and allow the appeal filed by the Appellant.
- 10. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

10. The appeal filed by Appellant is disposed off as above by way of remand.

सत्यापित / Attested

(शिव प्रताप सिंह)/(Shiv Pratap Singh),

आयुक्त (अपील)/Commissioner (Appeals)

आर. श्रेस. बोरीचा / R. S. BORICHA अधीक्षक / Superintencient के. व. एवं सेवा कर अपील्स, राजकोट CGST Appeals, Rajkot



Page 4 of 5

By R.P.A.D.

DY INT INIO.	
M/s. Rajubhai Manjibhai Baraiya,	सेवा में, मे-राजुभाई मनुजीभाई बारैया, गौशाला के
Near Gaushala, Ghogha Road, Bhavnagar-364 001.	पास, घोघा रोड, भावनगर- ३६४००१ ।

प्रतिलिपि:-

- 1) मुख्य आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुजरात क्षेत्र, अहमदाबाद को जानकारी हेतु।
- 2) आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर आयुक्तालय, भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 3) अपर आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीयं उत्पाद शुल्क, भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 4) सहायक आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मण्डल, भावनगर-१ को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 🏒 5) गार्ड फ़ाइल।



